चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रो. काम्बोज

सिरसा | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके।

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	2.09.2021	--	--

एनसीआर हरियाणा

किसान वैज्ञानिक सोच से बढें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं: प्रोफेसर काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

वाटिका न्यूज़

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढकर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे क प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरूषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुडकर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	2.09.2021	--	--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

टुडे न्यूज। हिसार

किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढकर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे क प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है।

किसान गोष्ठी में संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपित के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कांबोज, डॉ. सुनील ढांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
त्रिवेणी केसरी	2.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

डबवाली(त्रिवेणी केसरी)

(सिरसा)चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित्त नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक:

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कांबोज, डॉ. सुनील ढांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला सिरसा	2.09.2021	--	--

अभियान

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान गोष्ठी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बोले

आमदनी में इजाफा करने के लिए उत्पादों के प्रति जागरूक हों किसान

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। किसानों को अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए उत्पादों के प्रति जागरूक होना होगा। उक्त कथन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहे। वे बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है। उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है।

किसानों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है, ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है। इससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दूध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं।

इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास डांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा सिरसा	2.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : कंबोज

सिरसा, 01 सितंबर (दिनेश कौशिक): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. कंबोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। वे कृषि विज्ञान केंद्र में बुधवार को आयोजित किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई

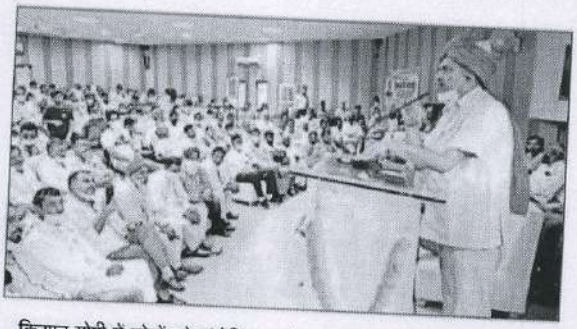

किसान गोष्ठी में लोगों को संबोधित करते कुलपति प्रोफैसर बी.आर. कंबोज।

तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कंबोज, डॉ. सुनील ढांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	2.09.2021	--	--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएः काम्बोज

पल पल न्यूजः हिसार, 1 सितंबर। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढकर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे क प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरूषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड?र किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	1.09.2021	--	--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में

इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरूषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान चीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों क कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर जाने वाली सलाह व कीटनाशकों क लेकर की गई सिफारिशों का विशे ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान डॉ. अनिल यादव डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करम मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ मनमोहन सिंह ने कपास की फसल क अधिक पैदावार हासिल करने के लि अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं बीमारियों व कीटों के प्रति जागरू करते हुए अपने व्याख्यान दि कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनी बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ ओमप्रकाश कांबोज, डॉ. सुनील हां सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के व गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
विवेचक सिरसा	1.09.2021	--	--

सांध्य दैनिक विवेचक बुधवार, 1 सितम्बर 2021 पेज नंबर 3

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

सिरसा (विवेचक) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों मे आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया। किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक: विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास खोड़ा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा केसरी	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रो. बीआर काम्बोज

सिरसा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और

उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण सरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेद सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राम टाइम्स न्यूज	1.09.2021	--	--

'जल संरक्षण' थीम पर आयोजित किसान मेला 8 व 9 को

हिसार (रा.न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑफलाइन माध्यम से दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन आगामी 8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड़ पर किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'जल संरक्षण' होगा।

मेले के शुभारंभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र मुख्यातिथि होंगे। विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दिनों-दिन गिरते भूमिगत जलस्तर के संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के चलते इस बार किसान मेले को जल संरक्षण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल की महत्ता से अवगत करवाते हुए जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जा सके।

उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते लगातार पिछले दो सालों से ऑनलाइन माध्यम से किसान मेले का आयोजन किया गया था। इस बार किसानों की मांग को संज्ञान में लेते हुए एवं केंद्र व राज्य सरकार की कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पालन करते हुए मेले को परंपरागत तरीके से ऑफलाइन आयोजित करने का फैसला लिया गया है। मेले के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे।

मिट्टी पानी जांच व मौसम पूर्वानुमान के लिए करवा सकेंगे पंजीकरण

मेले के दौरान किसान मिट्टी पानी की जांच के अलावा मौसम पूर्वानुमान संबंधी पंजीकरण भी करवा सकेंगे ताकि किसानों को अपनी फसल के बेहतर उत्पादन में सहायक हो सके। मेले के लिए वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों की हर समस्या का समाधान बताएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	1.09.2021	--	--

8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड पर होगा आयोजन

एचएयू 'जल संरक्षण' थीम पर आयोजित करेगा किसान मेला : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस बार ऑफलाइन माध्यम से दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन आगामी 8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड पर किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'जल संरक्षण' होगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र मुख्यातिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दिनों-दिन गिरते भूमिगत जलस्तर के संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के चलते

इस बार किसान मेले को जल संरक्षण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल की महत्ता से अवगत करवाते हुए जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जा सके। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते लगातार पिछले दो सालों से ऑनलाइन माध्यम से किसान मेले का आयोजन किया गया था। इस बार किसानों की मांग को संज्ञान में लेते हुए एवं केंद्र व राज्य सरकार की कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पालन करते हुए मेले को परंपरागत तरीके से ऑफलाइन आयोजित करने का फैसला लिया गया है। मेले के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे।

सफल आयोजन के लिए कमेटियां का गठन

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कमेटियों को गठन कर दिया गया है। साथ ही मेले में प्रदर्शनी लगाने के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रदर्शनियों के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा सके। मेले में प्रदर्शनी के लिए काफी संख्या में आवेदन आ रहे हैं, इसलिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर स्टाल आवंटित की जाएंगी। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बेहतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगे।

मिट्टी पानी जांच व मौसम पूर्वानुमान के लिए करवा सकेंगे पंजीकरण

मेले के दौरान किसान मिट्टी पानी की जांच के अलावा मौसम पूर्वानुमान संबंधी पंजीकरण भी करवा सकेंगे ताकि किसानों को अपनी फसल के बेहतर उत्पादन में सहायक हो सके। मेले के लिए वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों को हर समस्या का समाधान बताएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
युअर सिरसा न्यूज	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : काम्बोज

यूअर सिरसा न्यूज। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित्त नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है: कुलपति

हिसार/01 सितंबर/रिपोर्टर

किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरूषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सस्य क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कांबोज, डॉ. सुनील ढांडा आदि ने भी हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एसकेपी कांति सिरसा यूटयूब चैनल	**1.09.2021**	--	--

#Dr #skpkranti #farmer

कृषि विज्ञान केंद्र में हुई किसान गोष्ठी, मुख्यअतिथि कुलपति डॉक्टर बी.आर. कम्बोज: | Dr. BR kamboj

87 views • Sep 1, 2021

8 0 SHARE SAVE ...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
द न्यूज सिरसा यूटयूब चैनल	**1.09.2021**	--	--

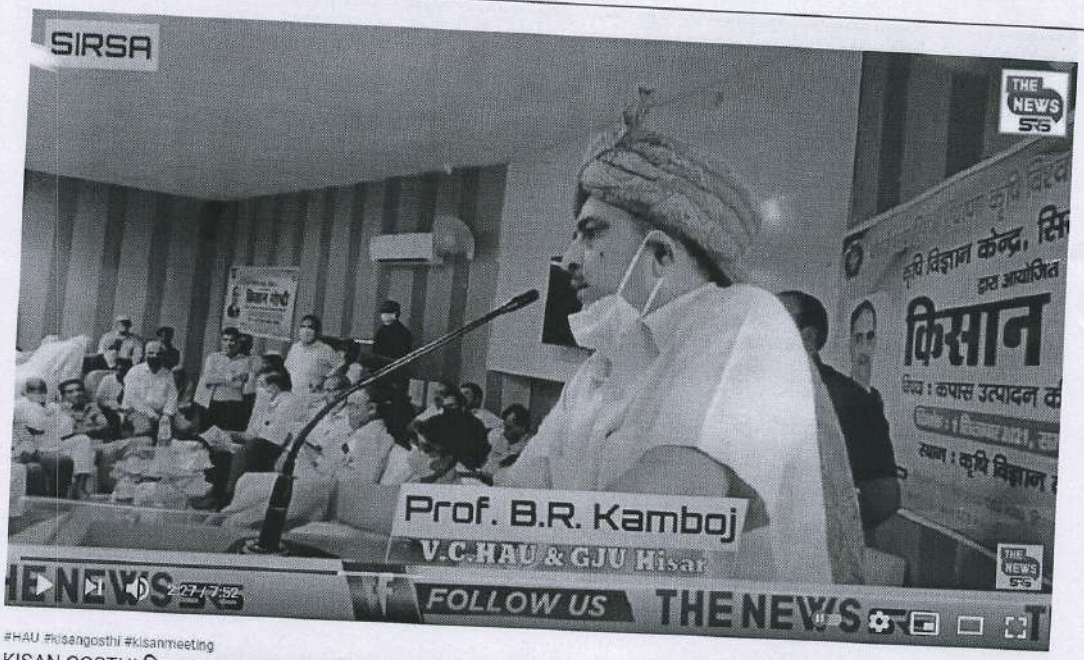

#HAU #kisangosthi #kisanmeeting

KISAN GOSTHI.किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक OR सरकार की सुविधा से होगा अन्नदाता का भल्ला.HAU.VC.

44 views • Sep 1, 2021

13 0 SHARE SAVE ...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष सिरसा	1.09.2021	--	--

जल संरक्षण थीम पर होगा इस बार किसान मेला: प्रो. कांबोज

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. महापात्र होंगे मुख्यातिथि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस बार ऑफलाइन माध्यम से दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन आगामी 8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड पर किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'जल संरक्षण' होगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र मुख्यातिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने बताया कि दिनों-दिन गिरते भूमिगत जलस्तर के संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के चलते इस बार किसान मेले को जल संरक्षण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल की महत्ता से अवगत करवाते हुए जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जा सके। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते लगातार पिछले दो सालों से ऑनलाइन माध्यम से किसान मेले का आयोजन किया गया था। इस बार किसानों की मांग को संज्ञान में लेते हुए एवं केंद्र व राज्य सरकार की कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पालन करते हुए मेले को परंपरागत तरीके से ऑफलाइन आयोजित करने का फैसला लिया गया है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। काबिलेजिक्र है कि किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कमेटियों को गठन कर दिया गया है। साथ ही मेले में प्रदर्शनी लगाने के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रदर्शनियों के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा सके।

1919 Key's of Life

वर्तमान में रहना
बुद्धिमता का प्रतीक है।
-लॉयन इंद्र गोयल-

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष सिरसा	1.09.2021	--	--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे: कुलपति कांबोज

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरू जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे क प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरूषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते है। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित्त नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परम्परागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधिकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।